'उन्मेष 2027'

चतुर्थ अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन

आयोजक

डीआरडीओ मुख्यालय, दिल्ली
रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर

विवरणिका

10 - 11 जनवरी 2027

विषय

'जिम्मेदार एवं विश्वसनीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता : रूझान एवं चुनौतियां'

नोट – लेख एआई प्रौद्योगिकी केंद्रित और विषय से संबंधित हो। सामान्य निबंध प्रकृति के लेख स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

विस्तारित सार प्राप्ति की अंतिम तिथि: 31 जुलाई 2026

लेख प्राप्ति की अंतिम तिथि: 31 अगस्त 2026

चयन से संबंधित सूचना: 01 दिसंबर 2026

सभी पत्राचार निम्नलिखित ई-मेल के माध्यम से करें:
drdo.sammelan@gov.in

DRDO - An Introduction

DRDO, is the R&D wing of Ministry of Defence, engaged in design and development of state-of-the-art technologies for the Indian Armed Forces. DRDO was established in 1958 for enhancing the science based defence capabilities, using which indigenous components can be built replacing the present armed systems and other imported defence components. The vision of DRDO is to empower the country with state-of-the-art advanced defence technologies and systems.

Important Initiatives taken and achievements of DRDO regarding usage and propagation of Official Language Hindi -

- ☑ DRDO has received couple of awards consistently under the Kirti Awards Scheme of Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home Affairs.
- ☑ Customisation of Translation tool 'Kanthasth 2.0' on DRDO Intranet 'DRONA'.
- ☑ On the occasion of World Hindi Day DRDO organizes All India Technical Rajbhasa Conference, 'Unmesh'.
- ☑ Organisation of 8 scientific and technical seminars every year by DRDO laboratories/units.
- ☑ Publication of approx. 50 in-house magazines of general and technical nature by DRDO.
- ☑ Publication of Books of various genre such as Science, History and Literature.
- ☑ Participation in implementation of various successful new initiatives by Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home Affairs.
- ☑ Publication of DRDO specific technical glossary.

DRDO is committed towards its constitutional responsbilities related to Official Language along with its mandate of defence and security of the country.

डीआरडीओ - एक परिचय

डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय की अनुसंधान एवं विकास शाखा है, जिसका कार्य भारतीय सशस्त्र बलों के लिए अत्याधुनिक हथियारों तथा प्रणालियों का डिजाइन तथा विकास करना है। डीआरडीओ की स्थापना 1958 में विज्ञान आधारित क्षमताओं के निर्माण के लिए की गई, जिससे मौजूदा शस्त्र प्रणालियों और अन्य आयातित रक्षा उपकरणों के स्थान पर स्वदेशी उपकरण तैयार किए जा सकें। डीआरडीओ का विज़न है देश को अत्याधुनिक उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों से सशक्त बनाना।

राजभाषा हिंदी के संदर्भ में डीआरडीओ द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण पहल और उपलब्धियां-

- ☑ राजभाषा विभाग की कीर्ति पुरस्कार योजना के अन्तर्गत कई बार डीआरडीओ की गृह-पत्रिकाओं को पुरस्कार प्राप्त।
- ☑ अनुवाद टूल कंठस्थ-2.0 का डीआरडीओ इंट्रानेट 'द्रोणा' पर कस्टमाइजेशन।
- ☑ विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन 'उन्मेष' का आयोजन।
- ☑ डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा प्रतिवर्ष 8 वैज्ञानिक एवं तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन।
- ☑ डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं द्वारा लगभग 50 गृह पत्रिकाओं के सामान्य एवं तकनीकी अंकों का प्रकाशन।
- ☑ विज्ञान, इतिहास और साहित्य की विभिन्न विधाओं की हिंदी पुस्तकों का प्रकाशन।
- ☑ राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की अनेक नई पहलों के सफल क्रियान्वयन में भागीदारी।
- ☑ डीआरडीओ विशेष तकनीकी शब्दावली का प्रकाशन।

डीआरडीओ देश की रक्षा और सुरक्षा के अपने अधिदेश के साथ-साथ राजभाषा से संबंधित अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति भी समर्पित है।

Tezpur - An Introduction

Defence Research Laboratory, Tezpur

The Defence Research Laboratory (DRL), Tezpur, is a premier DRDO laboratory located in the North-Eastern region of India, established soon after the Chinese aggression on 21 November 1962. DRL, a laboratory under the DG (SSS) cluster, continuously strives to address critical issues for the development of products required by the armed forces deployed in the NE region. It shares international borders with five countries. In addition to the state-of-the-art laboratory established at DRL Tezpur, R&D centers have been established at Tawang and Salari (West Kameng) in Arunachal Pradesh. DRL has gained recognition for some of the important products like equipment for water quality improvement, bio toilet-based sanitation technology for improving health and hygiene, mosquito control through insecticidal mosquito nets, low-cost polyhouses, chilli spray/ grenades etc. to make the life of soldiers deployed in the field easier.

Tezpur, known as the cultural capital of Assam, is renowned for its clean air and natural beauty. Located on the northern bank of the Brahmaputra River, Tezpur was the place of the legendary Harihar yuddha (war between Hari/Vishnu/ Krishna & Hara/Shiva) where the battle was fought over the capture of Krishna's Grandson Annirudha. Due to its strategic location and its proximity to Arunachal Pradesh, Tezpur has a significant presence of the Armed forces (Army Headquarters 4 Corps) and Air Force (11 Wing) SSB (Frontier HQ), ITBP (55BN HQ). Tezpur's tourist attractions include Agnigarh, Chitralekha Park, Mahabhairav Temple, and Bhairavi Temple.

तेजपुर - एक परिचय

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित डीआरडीओ की एक प्रमुख प्रयोगशाला है, जिसकी स्थापना 21 नवंबर 1962 को चीनी आक्रमण के तुरंत बाद हुई थी। डीआरएल डीजीएसएसएस क्लस्टर के अंतर्गत एक प्रयोगशाला है, जो इस क्षेत्र में तैनात सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक उत्पादों के विकास हेतु महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह क्षेत्र पांच देशों के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है। डीआरएल तेजपुर में स्थापित अत्याधुनिक प्रयोगशाला के अलावा, अरुणाचल प्रदेश के तवांग और सलारी (पश्चिम कामेंग) में अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। डीआरएल ने जल गुणवत्ता सुधार हेतु उपकरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार के लिए बायो टॉयलेट आधारित स्वच्छता तकनीक, कीटनाशक मच्छरदानी द्वारा मच्छर नियंत्रण, कम लागत वाले पॉलीहाउस, चिल्ली स्प्रे/ग्रेनेड आदि जैसे कुछ महत्वपूर्ण उत्पादों के कारण ख्याति प्राप्त की है, जिससे इस क्षेत्र में तैनात सैनिकों का जीवन सुगम हो सके।

असम की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रसिद्ध तेजपुर अपनी स्वच्छ हवा और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां कि सुंदरता अप्रतिम है, जहां एक ओर यह ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर बसा है, वहीं दूसरी ओर हरित भू-भाग और पर्वतीय श्रृंखलाओं से घिरा है। तेजपुर पौराणिक हरिहर युद्ध (हरि/ विष्णु/ कृष्ण और हर/शिव के बीच युद्ध) का स्थान है, जिसमें कृष्ण के पोते अन्निरुद्ध को पकड़ने के लिए यहां लड़ाई लड़ी गई थी। अपनी रणनीतिक स्थिति और अरुणाचल प्रदेश से निकटता के कारण, तेजपुर में सशस्त्र बलों (सेना मुख्यालय 4 कोर), वायु सेना (11 विंग), एसएसबी (फ्रंटियर मुख्यालय) और आईटीबीपी (55 बटालियन मुख्यालय) की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। तेजपुर पर्यटन के मुख्य आकर्षण हैं, अग्निगढ़, चित्रलेखा उद्यान, महाभैरव मंदिर, भैरवी मंदिर।

'Unmesh 2027'

Fourth All India Technical Rajbhasha Conference

Organised by

DRDO HQ, Delhi
Defence Research Laboratory, Tezpur

Brochure

10 - 11 January 2027

Theme

'Trustworthy & Responsible Artificial Intelligence: Trends & Challenges'

*Note – Article should be based on AI technology and related to the topic. Article of generic Essay type will not be accepted.

Last date of submission of extended abstract: 31 July 2026

Last Date of submission: Article is 31st August 2026

Information related to selection: 01 December 2026.

Please ensure all correspondence is sent via this E-mail: drdo.sammelan@gov.in

Important Information

General Instructions regarding preparation and presentation of article

- ☑ Please send the soft copy of article (in pdf and docx format) on the given email and ensure that Name, Designation, Office name, Mobile no. (Whatsapp no.) & E-mail ID is mentioned in it.
- ☑ Before sending the complete article, send the extended abstract of the same. Last date to submit the extended abstract is 31 July, 2026. Only those complete articles will be taken under consideration whose extended abstract is received.
- ☑ The Originality and confidentiality certificate with the article is mandatory (format enclosed).
- ☑ The language for presentation of paper during conference is Rajbhasha Hindi.
- ☑ Articles are also invited in Assamese language on the mentioned topic. A session will be organised in Assamese language also.
- ☑ In the article there should be sequentially an introduction, details of research work, important outcomes with conclusions and utilisation at the end.
- ☑ Send soft copy of complete article and extended abstract typed in Unicode font. In the article font size of the title should be 16, sub title should be 14, main content should be 12, and Page size should be A4; margin top, bottom, left, right of 2.5 cm.
- ☑ Word limit for the extended abstract is 1000 words and for complete article is 5000 words.
- ☑ If any of the conditions mentioned above, is not followed, the article will not be accepted.
- ☑ Articles will be selected by a screening committee.
- ☑ Selected participants will be duly informed via E-mail.
- ☑ The extended Abstract selected for the conference shall be published in Conference souvenir.

Accomodation Facility will be provided to the selected participants on payment basis, subject to its availability.

आवश्यक जानकारी

लेख तैयार करने एवं प्रस्तुतीकरण संबंधित सामान्य दिशा-निर्देश

- ☑ लेख/शोध–पत्र की सॉफ्ट कॉपी (वर्ड एवं पीडीएफ फॉर्मेट) दिए गए ई-मेल पर भेजें जिसमें नाम, पदनाम, कार्यालय का नाम, मोबाइल नं. (Whatsapp no.) एवं ई-मेल आईडी अवश्य उद्धृत हो।
- ☑ लेख भेजने के पूर्व विस्तारित सार (extended abstract) भेजें। विस्तारित सार भेजने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। केवल उन्हीं पूर्णशोध पत्रों पर विचार किया जाएगा, जिनका विस्तारित सार प्राप्त हुआ हो।
- ☑ लेख के साथ मौलिकता एवं गोपनीयता प्रमाण-पत्र भेजना अनिवार्य है
- ☑ सम्मेलन में लेख/शोध पत्र प्रस्तुतीकरण की भाषा राजभाषा हिंदी है।
- ☑ उद्धृत विषय पर असमिया भाषा में भी शोध पत्र आमंत्रित हैं। प्रस्तुति का एक सत्र असमिया भाषा में भी आयोजित किया जाएगा।
- ☑ लेख में क्रमानुसार शोध पत्र के परिचय, शोध कार्य का विवरण, महत्वपूर्ण परिणाम, एवं अंत में कार्य का निष्कर्ष और उपयोगिताएं लिखी जाएं।
- ☑ पूर्ण लेख की यूनिकोड फोंट में टंकित सॉफ्ट प्रति भेजें। शीर्षक का फोंट साइज 16, उप शीर्षक का फोंट साइज 14, लेख की मुख्य सामग्री का फोंट साइज 12 और पृष्ठ ए4 साइज; पृष्ठ में ऊपर, नीचे, बाएं और दाएं 2.5 से. मी. का हाशिया होना चाहिए।
- ☑ विस्तारित सार में शब्दों की अधिकतम सीमा 1000 शब्द है और पूर्ण लेख की अधिकतम शब्द सीमा 5000 शब्द है।
- ☑ उपरोक्त बिंदुओं के अनुपालन न होने के स्थिति में लेख स्वीकृत नहीं किए जाएंगे।
- ☑ शोध पत्रों / लेखों का चयन संवीक्षा समिति द्वारा किया जाएगा।
- ☑ चयनित प्रतिभागियों को सूचना यथासमय ई-मेल के माध्यम से दी जाएगी।
- ☑ सम्मेलन के लिए चयनित लेखों का विस्तारित सार सम्मेलन स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा।

सम्मेलन में प्रतिभागिता के लिए चयनित प्रतिभागियों को उपलब्धता के आधार पर भुगतान सहित आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

'Unmesh - 2027'

Two Day All India Technical Rajbhasha Conference

Objective

Present era is the age of technology, where potentials are expanding their scope every day. This scope gets enhanced, when we make efforts in the language which is spoken and understood by majority of population. Thus this initiative of All India Technical Rajbhasha Conference 'Unmesh' of DRDO HQ gives a new direction to faculties and research scholars of universities and officials of technical institutions. Unmesh at one hand provides the shared platform for elaborated discussion on innovative research work happening in the future sphere of science and technology. On the other hand it gives an opportunity for exchange of ideas on potential research areas. This is evident that Hindi as language is heading in the direction of technology. In the 4th series of this initiave, we invite you to join us with your innovative research work so that our event proves to be a milestone.

Chief Organizer	Co - Organizer
DRDO HQ New Delhi	**Defence Research Laboratory** Tezpur

Chief Patron

Dr Samir V. Kamat
Secretary, DDR&D & Chairman DRDO

Patron

Director General (R&M) | **Director General (SSS)**

Convener

Sh. Vipin Kumar Kaushik OS & Director Rajbhasha, Parliament & Public Interface, DRDO HQ	**Dr. Rajesh Kumar Garg** Centre Head Defence Research Laboratory, Tezpur	**Dr. Pramod Kumar Satyawali** OS & Director, DGRE, Chandigarh

Co-Convener

Sh. I. R. Ansari Scientist 'F'	**Dr. Soumya Chatterjee** Scientist 'F'

Coordinator

Smt. Arun Kamal Asstt. Director (O.L.) Delhi 9811015727	**Sh. Pranob Kumar Bordoloi** Asstt. Director (O.L.) Tezpur 9395933305

drdo.sammelan@gov.in

'उन्मेष - 2027'

दो दिवसीय अखिल भारतीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन

उद्देश्य

आज का युग प्रौद्योगिकी का युग है, जहां संभावनाएँ हर रोज अपना दायरा बढ़ाती जा रही हैं। यह दायरा तब और अधिक बढ़ जाता है जब हम अपने प्रयास ऐसी भाषा में करें, जिसके बोलने और समझने वालों की संख्या सर्वाधिक हो। ऐसे में डीआरडीओ मुख्यालय का यह प्रयास 'उन्मेष', तकनीकी संगठनों में कार्यरत कर्मियों एवं विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्मेष के माध्यम से जहां एक ओर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे नवीनतम शोध कार्यों पर विस्तृत चर्चा हेतु एक साझा मंच मिलता है, वहीं दूसरी ओर संभावित शोध क्षेत्रों पर उत्कृष्ट विचारों का आदान-प्रदान भी होता है। यह हिंदी भाषा की प्रौद्योगिकी की ओर बढ़ते सशक्त कदमों का सफल प्रमाण है। इस प्रयास की चौथी कड़ी में आप सभी अपने नवीनतम शोध कार्यों के साथ जुड़ें, ताकि हमारा यह आयोजन एक मील का पत्थर साबित हो।

मुख्य आयोजक	सह आयोजक
डीआर डीओ मुख्यालय नई दिल्ली	**रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला** तेजपुर

मुख्य संरक्षक

डॉ समिर वी. कामत
सचिव, रक्षा अनु. एवं वि. विभाग एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ

संरक्षक

महानिदेशक (आर एवं एम) | **महानिदेशक (एसएसएस)**

संयोजक

श्री विपिन कुमार कौशिक उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक राजभाषा, संसद एवं जनसंपर्क, डीआरडीओ मुख्यालय	**डॉ राजेश कुमार गर्ग** केंद्र प्रमुख रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला, तेजपुर	**डॉ प्रमोद कुमार सत्यवली** उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई, चंडीगढ़

सह संयोजक

श्री आई. आर. अंसारी वैज्ञानिक 'एफ'	**डॉ सौम्य चैटर्जी** वैज्ञानिक 'एफ'

समन्वयक

श्रीमती अरुण कमल सहायक निदेशक (रा.भा.), दिल्ली 9811015727	**श्री प्रणोब कुमार बोरदोलोई** सहायक निदेशक (रा.भा.) तेजपुर 9395933305

drdo.sammelan@gov.in